

Inter 2nd year
Hindi elective

जय खण्ड

Ch=8

पाठ का नाम \Rightarrow गांधी, नेहरू और पार्लियर-अशाफात
लेखक का नाम \Rightarrow मीरम शाहनी

Q.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :

Q.1

लेखक का परिचय गांधी जी से कितने करवाया ?

Ans

लेखक ने गांधी जी से बहुत सी बातें सीखीं।

Q.2

लेखक सेवाग्राम में कितने समय तक रहे ?

Ans

लगभग तीन सप्ताह तक।

Q.3

बलराज किय पत्रिका के सह-संपादक के रूप में कार्य कर रहे थे ?

Ans

वर्ग बालीम में।

Q.4

कांग्रेस का हरिपुर अधिवेशन, कब हुआ था ?

Ans

सन् 1938 में।

Q.5

मिस्र की प्रदर्शिका कब समाप्त होती थी ?

Ans

प्रार्थना के समय समाप्त होती थी।

Q. 6. लड़का क्या चिल्ला रहा था ?
Ans " मैं मर जाऊंगा , बापू की बुलाओ "

Q. 7. चिल्लाने वाले लड़के की उम्र कितनी थी ?
Ans लगभग पंद्रह साल "

Q. 8. गाँधी जी ने क्या वस्त्र पहने हुए थे ?
Ans गाँधी जी ने नंगे तन पर खादी की शर्ट
एक ही - सी चादर ओढ़ी हुई थी ।

Q. 9. बापू जी ने लड़के के पेट पर हाथ कैसे रखे हुए
उसे क्या करने को कहा ?
Ans बापू जी ने उसे (अहंता) करने को कहा ।

Q. 10. लड़के से आश्रमवासी ने क्या कहा ?
Ans " बापू उपास रहे हैं " ।

Q. 11. नेहरू जी ने किसकी कहानी सुनाई ?
Ans पैरिस शहर में रहने वाले एक अरीब
वाजीगर की ।

Q. 12. अनाथों को कौन थे ?
Ans फ्रांस के एक प्रख्यात लेखक

Q. 13. कौन सा पर्व था ?
Ans क्रिश्मस था ।

Q.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

Q.1
Ans

लेखक सेवाग्राम कब और क्यों गया था ?
 लेखक के माई बलराज, सेवाग्राम में रहती थी, जहाँ वे नई तालीम : पत्रिका के सहायक संपादक के रूप में काम कर रहे थे। सन् 1938 में जिस साल कांग्रेस का हरिपुर अधिवेशन हुआ था। उसी साल कुछ दिन उनके पास शायद रहने चला गया। वह दो रात सेवाग्राम पहुँचा। लेखक अपने माई से दो रात तक बातचीत करता रहा। माई ने बताया कि गाँधी जी प्रातः सात बजे घूमने निकलते हैं। वहाँ आकर जब उसने गाँधी जी के विषय में जाना तो उसकी गाँधी जी के सम्पर्क में भी कुछ दिन गुजारने की इच्छा हुई। इसी कारण लेखक सेवाग्राम चला आया था।

Q.2

लेखक का गाँधी जी के साथ चलने का

पहला अनुभव किस प्रकार का रहा ?

Ans

लेखक ने सुबह सात बजे गाँधी जी का सड़क पर आने देखा। उन्हें देखकर वह पुलकित हो उठा। वे बिलकुल वैसे लग रहे थे जैसे वे चित्रों में दिखाई देते हैं। उनकी कमर के नीचे से एक छड़ी भी लटक

रही थी। लेखक बेजी से अपने माई के साथ उनके साथ ही लिया। लेखक ने गांधी जी से शकलपिंडी का जिक्र किया। इस जगह का नाम युनकर गांधी जी ने कई बातें सुनाई। वे अपने पुराने अनुभव सुनाते रहे।

Q-3 कश्मीर के लोगों ने नेहरू जी का स्वागत किस प्रकार किया?

Ans: सन् 1938 के आरंभ में पंडित नेहरू जी काश्मीर यात्रा पर गये थे, जहाँ उनका मुख्य स्वागत हुआ था। शिव अहलुवालिया के नेतृत्व में शिलन नदी पर शहर के एक सिरे से दूसरे सिरे तक सातों फुल से अमीयक टूल तक नावों में उनकी शोभायात्रा देखने को मिली थी। जब नदी के दोनों ओर हजारों-हजार काश्मीर निवासी अहम्य उत्साह के साथ उनका स्वागत करते रहे थे। इस अवसर पर नेहरू जी को जिस बंगले में ठहराया गया था वह लेखक के पुत्रों के माई का था, माई ने उसे नेहरू जी की देखभाल करने के लिए कहा।

Q. लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर :-

Q.1 खोशे के अंदर चिल्ला रहे लड़के के साथ गांधी जी के व्यवहार से आज के युवाओं को क्या प्रेरणा लेनी चाहिए ?

Ans सेवाग्राम आश्रम के निष्कर्ष ही एक खोशे में पंद्रहवर्षीय बालक पेट दर्द की शिकायत को लेकर चिल्लाए जा रहा था और बीच-बीच में गांधी जी को पुकारे जा रहा था। पेट फूलने से उसे मरने का दर्द था। उनकी पुकार सुन गांधी जी वहाँ आए। किसी कुशल वेदप की माँति उन्होंने लड़के से "कै" करने का कहा जिससे कुछ ही देर में उसे आराम मिल गया। गांधी जी के कार्य से आज के युवाओं को यह सीख लेनी चाहिए कि हमें बिनम बतकर दान-दुखियों की सेवा करनी चाहिए। दान - दीनों पर अपना क्राय उतारे बिना हमें उनकी मदद एवं सेवा करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।